>

Title: Need to start a programme to provide higher/technical education in the tribal areas of the country.

श्री मारोतराव सैनुजी कोवासे (गड़चिरोली-चिमूर) ः

केन्द्र सरकार ने देश के निर्बल वर्ग के छात्रों को अच्छी शिक्षा प्रदान किए जाने के लिए नवोदय विद्यालय की स्थापना की है । चूंकि, इन विद्यालयों में 12वीं कक्षा तक ही शिक्षा प्रदान किए जाने की सुविधा है, इसलिए ऐसे छात्र, जो निर्धन परिवार से हैं, वे 12वीं कक्षा के पश्चात् धनाभाव के कारण उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं । विशेषकर देश के अनुसूचित जाति व जनजातिय बाहुल्य क्षेत्रों में स्थित नवोदय विद्यालय से 12वीं कक्षा उत्तीण करने वाले अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्रों को उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा प्रदाना किए जाने हेतु एक कार्यक्रम बनाए जाने की आवश्यकता है, ताकि वे उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा से वंचित न रह सके ।

आज देश नक्सलवाद से बुरी तरह प्रभावित हो रहा है । इसका एक प्रमुख कारण जनजातिय क्षेत्रों का अविकसित होना और जनजातिय छात्रों में उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा का अभाव है। यदि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में इस समुदाय के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा की सुविधा प्रदान करके इन युवकों को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने का सतत प्रयास किया जाए तो नक्सलवाद की समस्या से काफी हद तक निपटा जा सकता है ।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह देश के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में इस समुदाय के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा हेतु एक कार्यक्रम शीघ्र बनाए जाने हेतु आवश्यक पहल करे ।